मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD–020

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

(एम. ए. हिंदी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम. एच. डी–020 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *(i) किन्ही **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

1. पंजाबी दलित कविता की पृष्ठभूमि पर विचार कीजिए। 10
2. 'माँ' कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए। 10
3. मराठी दलित कहानी में बाबुराव बागूल के योगदान पर विचार कीजिए। 10
4. 'कवच' कहानी की समीक्षा कीजिए। 10

5. ओड़िया दलित साहित्य लेखन की पृष्ठभूमि का विश्लेषण कीजिए। 10

6. 'अमावस' कहानी की कथावस्तु एवं संवेदना स्पष्ट कीजिए। 10

7. मराठी दलित आत्मकथनों में 'अक्करमाशी' का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए। 10

8. 'जीवन हमारा' के आधार पर दलित जीवन के सरोकारों का विवेचन कीजिए। 10

9. 'मशालची' के आधार पर डॉ. गुरचरण सिंह की वैचारिकी को स्पष्ट कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर **200** शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times5=10$

(क) गिद्धानुभूति : शिल्प और भाषा

(ख) 'कवच' कहानी की भाषा और शिल्प

(ग) 'परती जमीन' और धार्मिक ताना-बाना

(घ) पंढरीनाथ मिस्त्री का चरित्र।

× × × × ×